

उलझा रहा, ख्याल में, खुद की, खबर नहीं  
मेरे के, बाँहर जिन्दगी, अब तो, बसर नहीं

उलझा रहा - - - - -

① घबराके, गेमों में, पी डाले, अशक जाम  
पीता, रहा मे जहर तक, ॥२॥ फिर भी, असर नहीं

मेरे के - - - - - उलझा रहा - - - - -

② अपनों ने, दिये चोखे, गैरी को, क्या करें  
किसको, चुनने, दले दिल ॥२॥ कोई हमसफर नहीं

मेरे के - - - - - उलझा रहा - - - - -

③ जिनको, लगाया दिल से, उन्ने ही उस लिया  
इससे भी, ज्यादा गाढ़ा, होता, जहर नहीं

मेरे के - - - - - उलझा रहा - - - - -

④ हमदर्द न, तड़पा मुझे, तुमको मेरी कशम  
सबने, लगाये दाव "श्रीवानजी" ॥२॥ दोड़ी, कसर नहीं

मेरे के - - - - - उलझा रहा - - - - -